

**सजदार वि.** (तत्.) जिसकी बनावट सुंदर हो, अच्छी आकृति, सुडौल, सुंदर।

**सजधज स्त्री.** (तद्.) बनाव-शृंगार, सजावट, सज्जा।

**सजन पुं.** (तद्.) 1. सज्जन, भला आदमी 2. एक ही परिवार के आदमी, संबंधी 3. पति, स्वामी 4. प्रियतम अथवा प्रिय के लिए प्रयुक्त वि. जनयुक्त, मनुष्यों से बसा हुआ।

**सजना पुं.** (तद्.) 1. प्रियतम, प्रिय अ.क्रि. 1. वस्त्र, आभूषण से अलंकृत होना 2. सैनिकों का युद्ध के लिए अस्त्र-शस्त्र आदि से युक्त होना 3. उत्तम लगना, भला जान पड़ना स.क्रि. धारण करना, सजाया जाना।

**सजनी स्त्री.** (तद्.) 1. सखी, सहेली 2. मिथिला में गाया जाने वाले एक लोकगीत का नाम।

**सजय पुं.** (तत्.) यतियों का एक भेद।

**सजल वि.** (तत्.) 1. जल से पूर्ण, जलमय, जलयुक्त 2. तरल पदार्थ से युक्त, आर्द्र, गीला 3. आँसुओं से युक्त, अश्रुपूर्ण 4. आबदार, चमकदार।

**सजवल पुं.** (तद्.) तैयारी।

**सजवाना प्रे.क्रि.** (तद्.) 1. किसी के द्वारा सुसज्जित करना 2. किसी को सजाने में प्रवृत्त करना।

**सजा स्त्री.** (फा.) अपराध आदि के कारण अपराधी को दिया जाने वाला दंड, कारावास, दंड, जुर्माना।

**सजागार वि.** (फा.) जागरूक, सावधान, सतर्क, होशियार।

**सजात वि.** (तत्.) 1. एक ही समय उत्पन्न, साथ उत्पन्न 2. जो अपने संबंधियों से युक्त अथवा उनके सहित हो 3. एक ही मूल भाषा से संबंधित।

**सजातीय वि.** (तत्.) 1. एक ही जाति या गोत्र के 2. समान, सदृश।

**सजात्य पुं.** (तत्.) भ्रातृत्व संबंध वि. सजातीय, एक ही जाति या गोत्र के।

**सजान पुं.** (तद्.) 1. जानकार, जानने वाला 2. चतुर, होशियार।

**सजावट स्त्री.** (तद्.) 1. अलंकरण, सज्जा, शोभा 2. सज्जा होने का भाव या गुण 3. आकर्षक बनाने का कार्य।

**सजावल पुं.** (तद्.) सरकारी कर, अथवा रुपया उगाहने वाला कर्मचारी, तहसीलदार, दारोगा।

**सजावली स्त्री.** (तद्.) सजावल का पद या काम।

**सजावार वि.** (फा.) दंड पाने के योग्य, दंडनीय।

**सजीला वि.** (तद्.) 1. सजधज के साथ रहने वाला, सजा हुआ रहने वाला 2. सुंदर, सुडौल, आकर्षक, मनोहर 3. छैला।

**सजीव पुं.** (तत्.) जीवधारी, संप्राण, प्राणी टि. प्राणयुक्त, जीवित, ओजयुक्त, उत्साहप्रद, प्रेरक।

**सजीवन पुं.** (तत्.) संजीवनी नामक बूटी।

**सजीवन मूरि स्त्री.** (तत्.) संजीवनी बूटी।

**सजीवनी मंत्र पुं.** (तत्.) मृतक को जिलाने वाला कल्पित मंत्र, ऐसी मंत्रणा जिससे कठिन काम सहज में पूरा हो सकता हो।

**सजुग वि.** (तद्.) सजा, सचेत।

**सजुता स्त्री.** (तद्.) एक प्रकार का छंद जिसके प्रत्येक चरण में एक सगण, दो जगण और एक गुरु होता है (वि. संयुता छंद)।

**सजूरी स्त्री.** (देश.) एक प्रकार की मिठाई।

**सजोना अ.क्रि.** (तद्.) 1. सज्जित करना, शृंगार करना 2. आवश्यक सामग्री, एकत्र करके व्यवस्थित रूप से रखना, सँजोना स.क्रि. सजाना।

**सज्जन पुं.** (तत्.) 1. भला आदमी, सत्पुरुष, कुलीन व्यक्ति, प्रिय व्यक्ति 2. सज्जा, सज्जित करना।

**सज्जनता स्त्री.** (तत्.) 1. सज्जन होने का भाव या अवस्था 2. सौजन्य, भलमनसी।

**सज्जा स्त्री.** (तत्.) 1. सजाने की क्रिया या भाव, सजावट 2. वेशभूषा, पोशाक 3. शय्या, चारपाई 4. साज-सामान, फौजी सामान।